RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th HISTORY

ARJUN BATCH

ईंटें, मनके तथा अस्थियां

हड़प्पा सभ्यता

अध्याय-1 | भाग-8



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ईंटें, मनके और अस्थियां



हड़प्पा सभ्यता

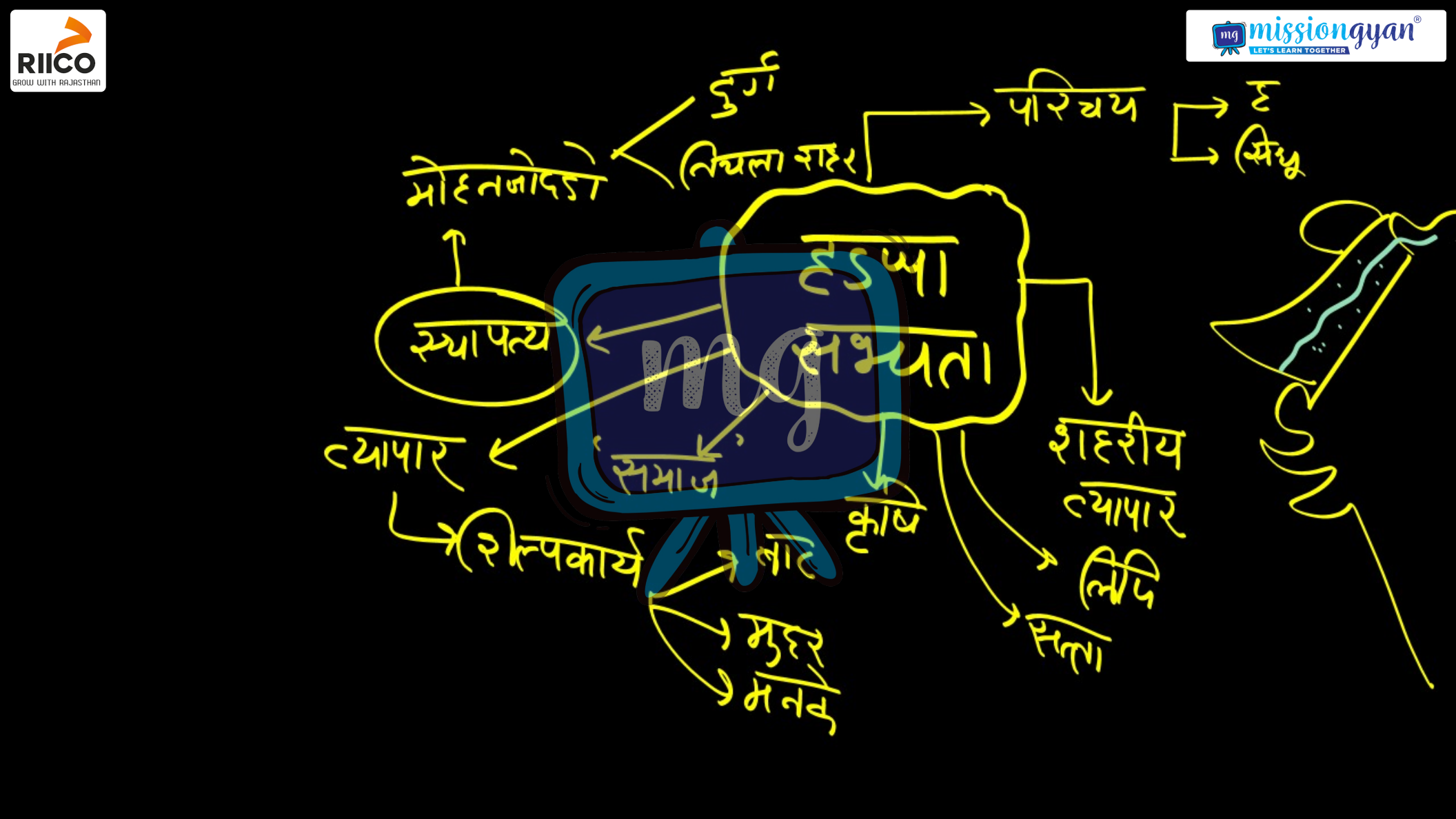
दुर्ग
मोहनजोदड़ो
निचला शहर
परिचय
ई
सिंधु
हड़प्पा
सभ्यता
स्थापत्य
व्यापार
शिल्पकार्य
नाट
मुहर
मनके
समाज
कृषि
शहरीय
व्यापार
लिपि
सत्ता

वस्तुनिष्ठ प्रश्न



Q1. हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है—

A हड़प्पाई मोहर

B मृदभांड

C आभूषण

D औजार

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q2. हड़प्पा सभ्यता में बाट सामान्यतः किस पत्थर से बनाए जाते थे-



1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q3. पुरोहित राजा की मूर्ति प्राप्त हुई है—



1 Mark

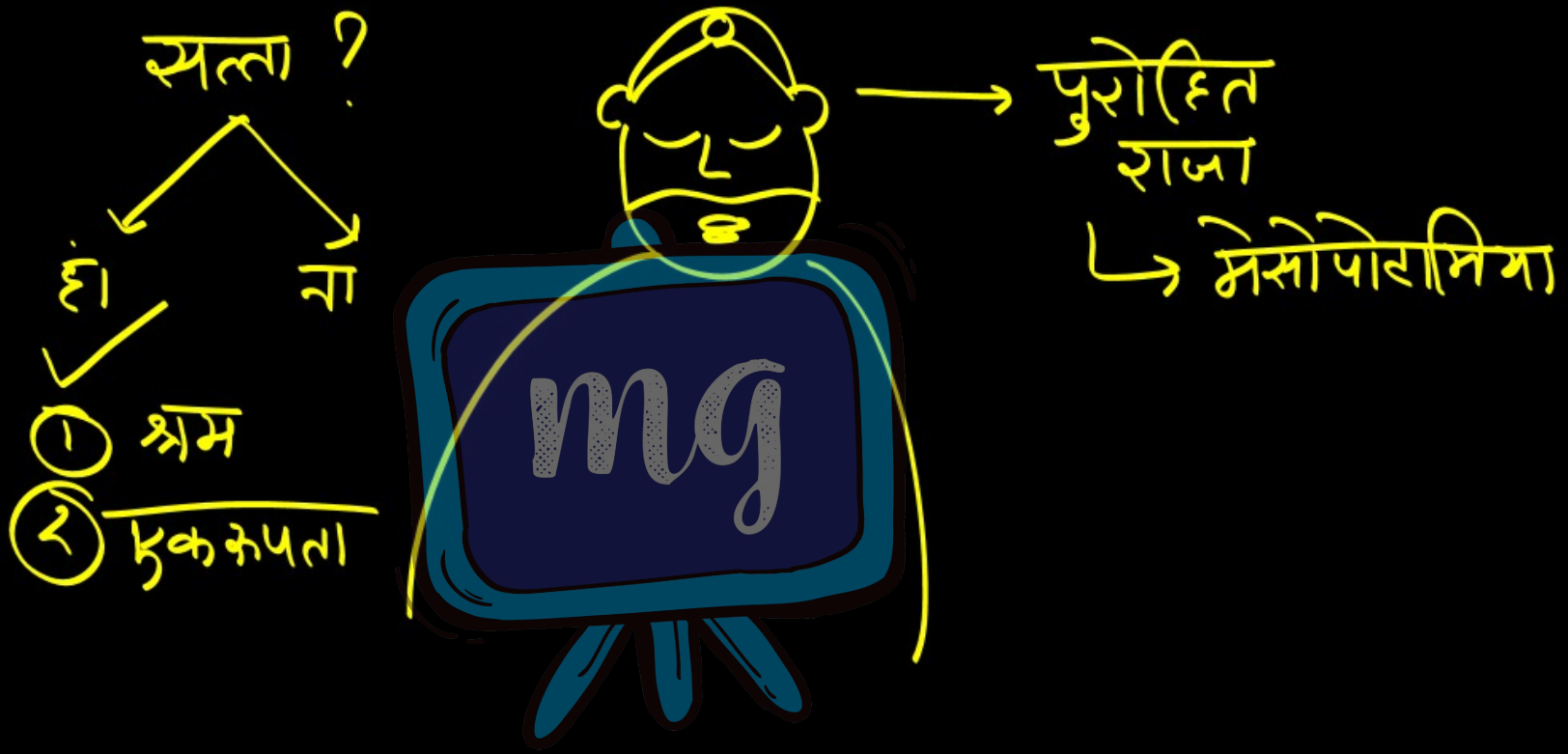
सलाह ?
हां
ना
1 श्रम
2 झुकाव
पुरोहित
राजा
मेसोपोटामिया
mg

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q4. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल थे—



(A) कनिंघम

(B) व्हीलर

(C) जॉन मार्शल

(D) जीएफ डील्स

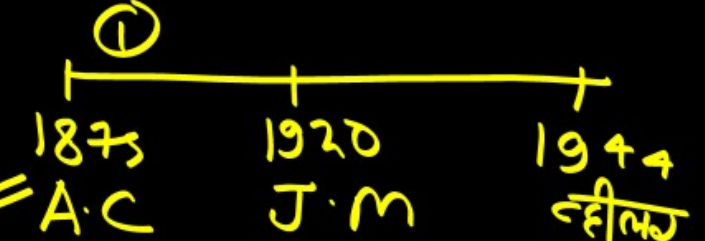

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q5. पुरातत्व की पद्धति में एक सैनिक शुद्धता का समावेश किसके द्वारा किया गया-

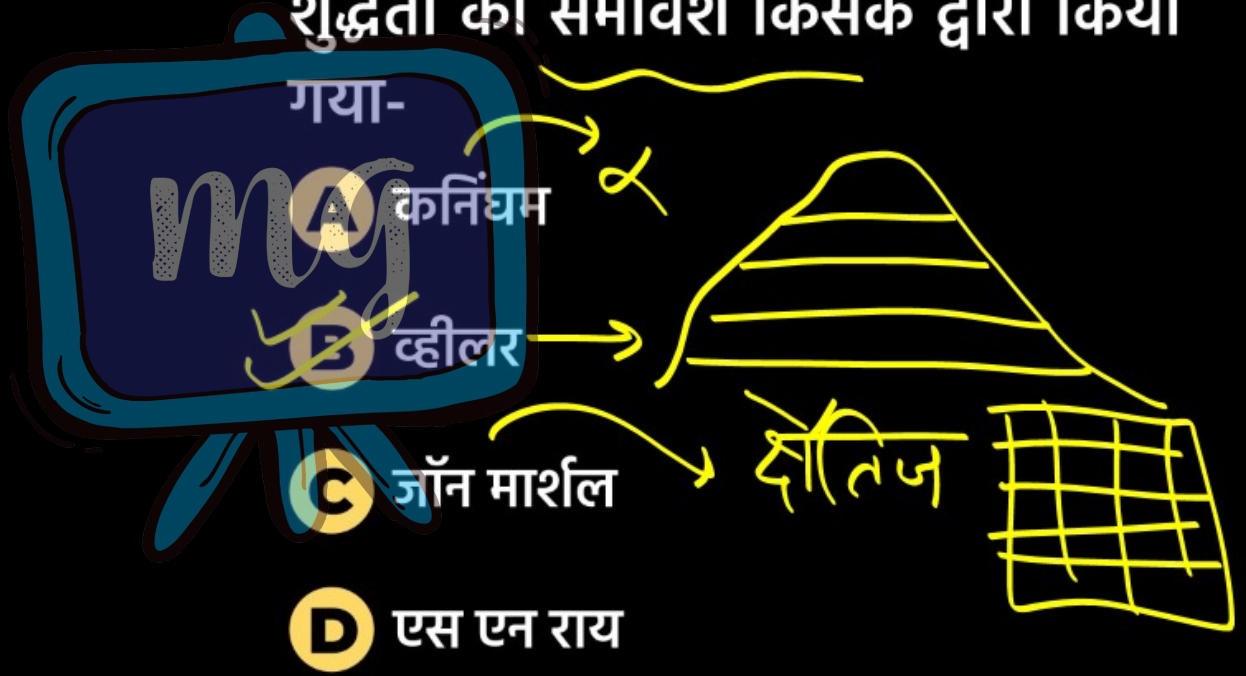

A कनिंघम

B व्हीलर

C जॉन मार्शल

D एस एन राय

1 Mark

Q6. मोहनजोदड़ो की सबसे विस्तृत इमारत है-



A स्नानागार

B माल गोदाम / अन्नागार

C स्नानागार

D निम्न में से कोई नहीं

1 Mark

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q1. हड़प्पाई मुहरो पर क्या उत्कीर्ण किया गया है ?



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : जानवरों के चित्र तथा एक लिपि के चिन्ह जिन्हें अभी तक पढ़ा नहीं जा सका।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q2. मिट्टी के हल के प्रतिरूप कहां से मिले है?

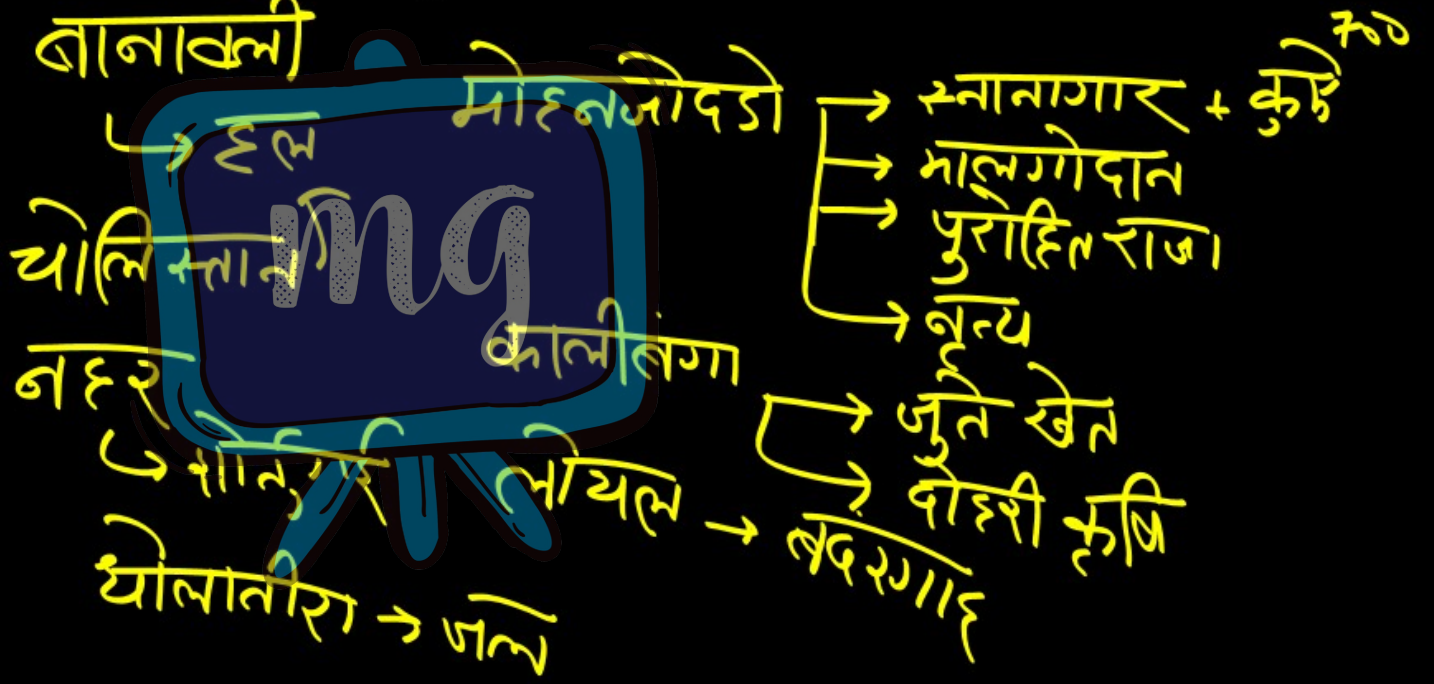
बनावली
↳ हल
मोहनजोदड़ो
↳ स्नानागार + कुंड
↳ अन्नागोदान
↳ पुरोहित राजा
↳ नृत्य
कालीबंगा
↳ जुते खेत
↳ दोहरी फसल
↳ बेलनाकार
बहरे
↳ चौड़ी
↳ सोने
↳ चांदी
↳ तांबे
↳ कांसे
↳ मिट्टी
↳ मनके
↳ अस्थियां
↳ हाथी दांत
↳ सीप
↳ शंख
↳ घोंघे
↳ मूंगे
↳ पत्थर
↳ सेलखड़ी
↳ लाजवर्द
↳ फीरोजा
↳ जेड
↳ सोना
↳ चांदी
↳ तांबा
↳ कांसा
↳ मिट्टी

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : बनवाली (हरियाणा) तथा चोलीस्तान (पाकिस्तान) से।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q3. किस पुरास्थल से सिंचाई नहर के अवशेष मिले हैं ?



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : अफगानिस्तान में शोर्तुघई।



जल → धोलावीरा

→ गुजरात

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q4. सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का प्रमुख साधन क्या था —



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : अवतल चक्कियां ।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q5. फॉयान्स क्या हैं?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : घीसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ जिनसे कीमती छोटे पात्र बनाए जाते थे।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q6. मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है ?

→ चान्हूदड़ो



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. हम चान्हूदड़ो को कारखाना किन कारणो की वजह से कह सकते है ?

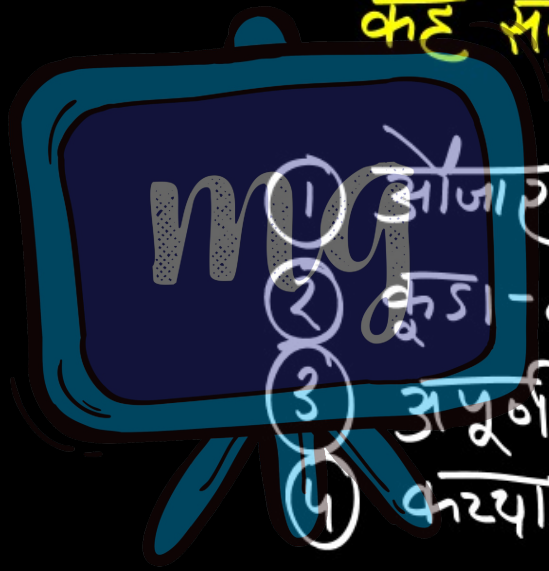

1. ओजार
2. कूड़ा-करकट
3. अपूर्ण वस्तु
4. कच्चामाल

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा में।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q7. लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्त्रोत था ?



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई के निकट ।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q8. हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी ?



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से।



हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q9. हड़प्पावासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

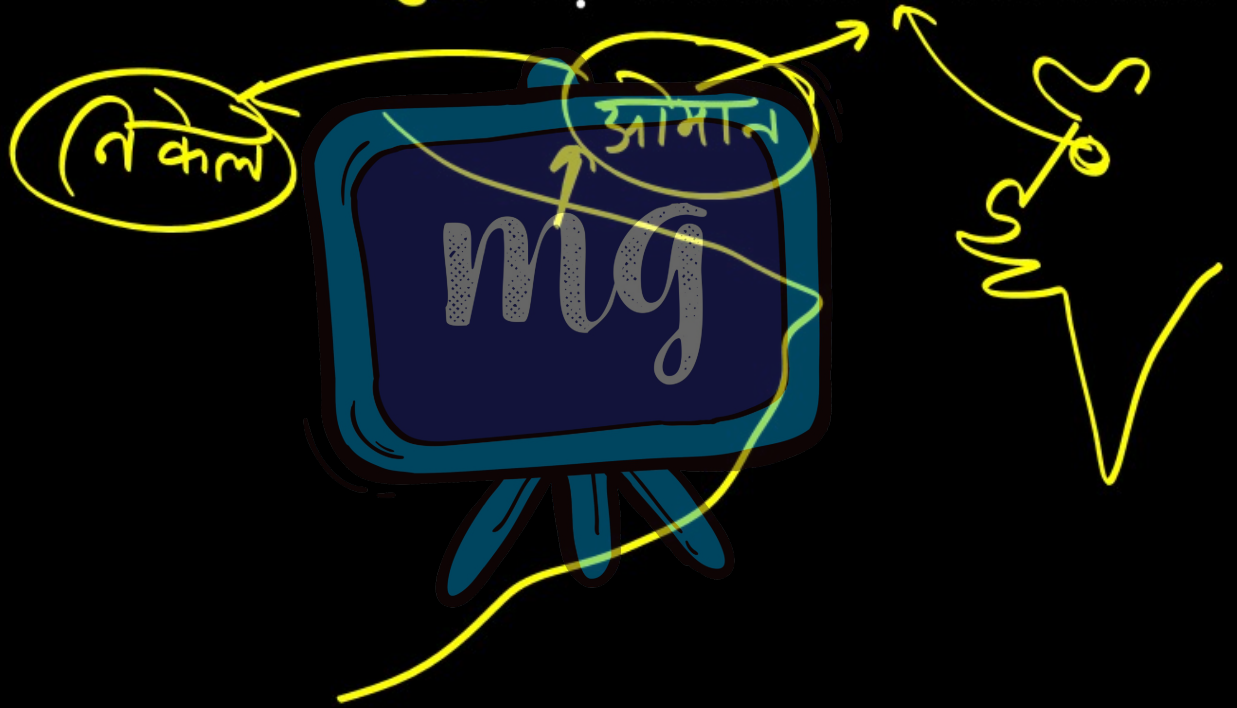

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : खेतड़ी क्षेत्र के गणेश्वर-जोधपुरा से तथा अरब प्रायद्वीप के दक्षिण पूर्वी छोर पर स्थित ओमान से।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q10. मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

उत्तर : बहरीन द्वीप के लिए।



मगान - ओमान

मेलुहा - हड़प्पा

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q11. पुरातत्ववेत्ताओं को ऐसे कौन से साक्ष्य मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का सुदूर देशों से संपर्क था? क्या इससे पता चलता है कि संपर्क से एक-दूसरे के साथ अच्छे व्यापारिक रिश्ते साबित हुए

अथवा

हड़प्पावासियों ने किस सीमा तक विश्व के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किये थे?

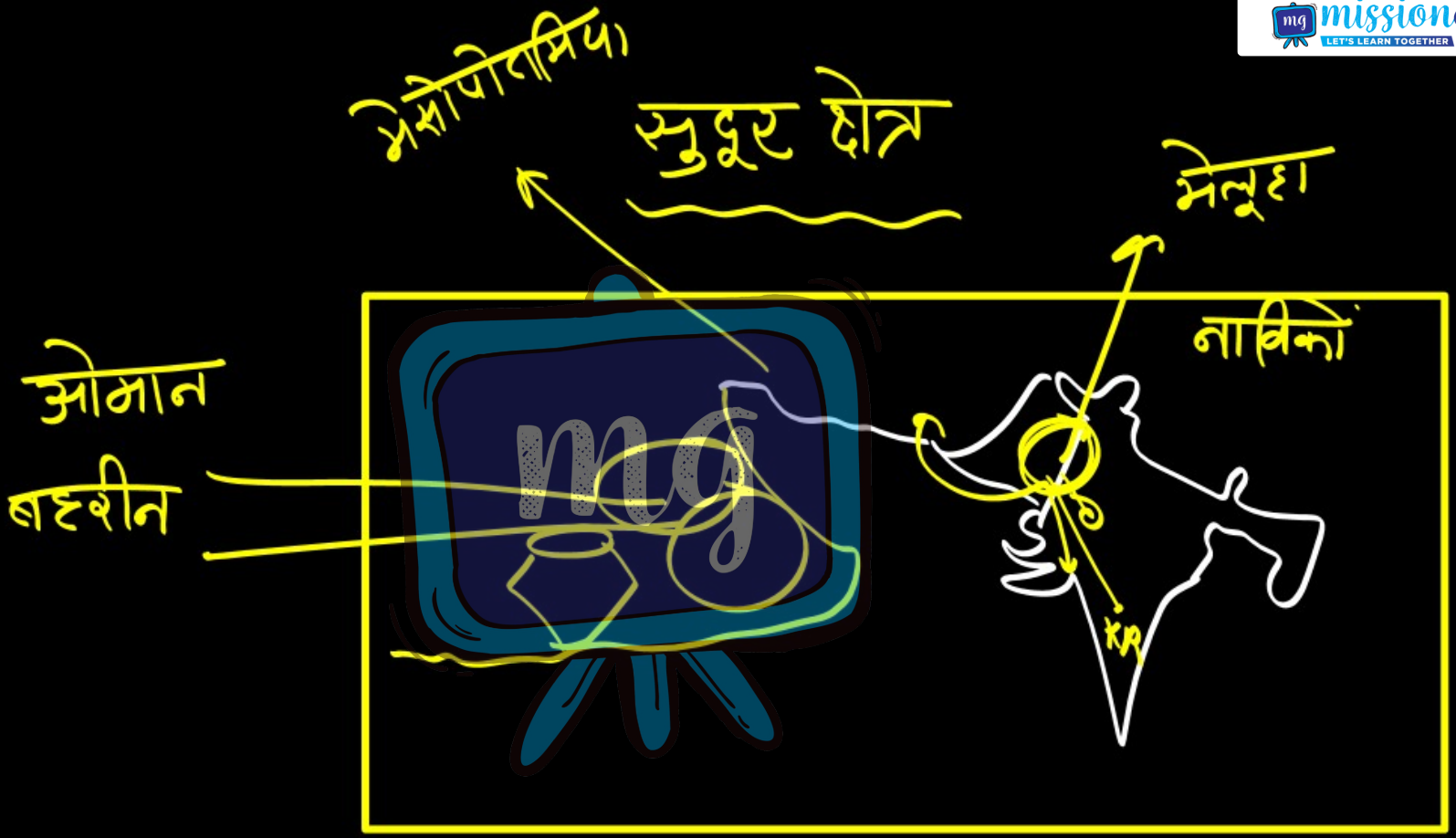
मेसोपोटामिया
सुदूर क्षेत्र
मेलूहा
नाविकों
ओमान
बहरीन
KR

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : पुरातत्वविदों को ऐसे कई सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का संपर्क सुदूर देशों से था। महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं

1. हाल की पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि तांबा संभवतः अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर स्थित ओमान से लाया गया था। इसके अलावा रासायनिक विश्लेषण से ओमानी तांबे और हड़प्पा दोनों कलाकृतियों में निकल के निशान साबित हुए हैं। इससे दोनों की एक समान उत्पत्ति का पता चलता है।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

2. ओमानी स्थलों पर काली मिट्टी की मोटी परत से लेपित एक बड़ा हड़प्पाकालीन जार मिला था। यह संभव है कि हड़प्पावासियों ने इन जहाजों की सामग्री को ओमानी तांबे से बदल दिया हो।
3. तीसरी सहस्त्राब्दी ईसा पूर्व के मेसोपोटामिया ग्रंथों में उल्लेख किया गया है कि तांबा मगन नामक क्षेत्र से आया था। इतिहासकारों ने सोचा कि शायद यह ओमान का दूसरा नाम है।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

मेसोपोटामिया के ग्रंथों में दिलमुन (संभवतः बहरीन द्वीप), मगन और मेलुहा, संभवतः हड़प्पा क्षेत्र नामक क्षेत्रों के साथ संपर्क का भी उल्लेख किया गया है। मेलुहा नाविकों की भूमि थी। मेलुहा के कई उत्पादों का जिक्र किया गया. ये कार्नेलियन, लापीस लाजुली, तांबा, सोना और लकड़ी की किस्में थीं।

4. अन्य पुरातात्विक खोजों से लंबी दूरी के संपर्क का पता चलता है जिसमें हड़प्पा की मुहरें, बाट, पासे और मोती शामिल हैं।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता समुद्र के रास्ते ओमान, बहरीन या मेसोपोटामिया से जुड़ी हुई थी।

5. मुहरों पर जहाजों और नावों का चित्रण विभिन्न देशों के बीच व्यापार संबंधों को दर्शाता है।
6. मेसोपोटामिया में पाए गए सिलेंडर सील में कूबड़ वाले बैल की आकृति है जिसे सिंधु क्षेत्र से प्राप्त किया जा सकता है। बहरीन में पाई जाने वाली गोल फारस की खाड़ी की सील पर कभी-कभी हड़प्पा रुपांकनों का चित्रण मिलता है।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

स्थानीय 'दिलमुन' बाटों ने हड़प्पा मानक का अनुसरण किया।

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता के अन्य क्षेत्रों के साथ अच्छे व्यापारिक संबंध थे।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

Q12. मोहनजोदड़ो की स्थापत्य विशेषताएं किस प्रकार योजना का संकेत देती हैं? उदाहरण सहित कथन का समर्थन करें।

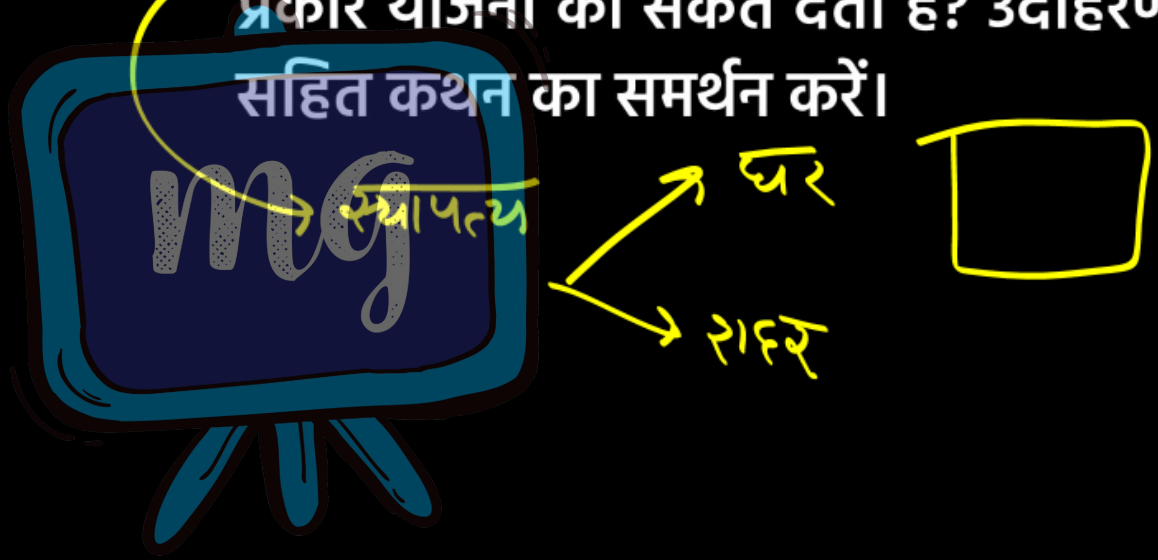

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : हड़प्पा सभ्यता की सबसे अनोखी विशेषता शहरी केंद्रों का विकास था। मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध स्थल है। मोहनजोदड़ो की सबसे अनोखी स्थापत्य विशेषता निम्नलिखित हैं: गढ़ यह छोटा लेकिन ऊंचा था। यह दीवार से घिरा हुआ था और निचले शहर से भौतिक रूप से अलग था। यहां इमारतों का निर्माण मिट्टी, ईंटों के चबूतरे से किया गया था।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

यहां हमें कुछ ऐसी संरचनाएं मिलीं जिनका उपयोग संभवतः विशेष सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

इनमें गोदाम, एक विशाल संरचना और 'ग्रेट बाथ' शामिल हैं। 'ग्रेट बाथ' की संरचना की विशिष्टता से पता चलता है कि यह किसी प्रकार के विशेष अनुष्ठान स्नान के लिए बनाया गया था।

निचला शहर निचला शहर भी दीवारों से घिरा हुआ था।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

कई इमारतें प्लेटफार्मों पर बनाई गईं, जो नींव के रूप में काम करती थीं। शहर के भीतर सभी निर्माण गतिविधियाँ प्लेटफार्मों पर एक निश्चित क्षेत्र तक ही सीमित थीं। सभी हड़प्पा बस्तियों में धूप में सुखाई गई या पकी हुई ईंटों का उपयोग किया जाता था।

घरों का आंगन खाना पकाने और बुनाई जैसी गतिविधियों का केंद्र था, खासकर गर्म और शुष्क मौसम के दौरान। ज़मीनी स्तर की दीवारों में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इसके अलावा, मुख्य, प्रवेश द्वार से आंतरिक भाग या आंगन का सीधा दृश्य नहीं दिखता था।

जल निकासी व्यवस्था मोहनजोदड़ो में जल निकासी व्यवस्था की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। सड़कें और सड़कें लगभग 'ग्रिड' पैटर्न के अनुसार बनाई गई थीं, जो समकोण पर प्रतिच्छेद करती थीं। ऐसा लगता है कि पहले नालियों वाली सड़कें बनाई गईं और फिर उनके किनारे घर बनाए गए।

हड़प्पा सभ्यता-ईंट, मनके व अस्थियां

प्रत्येक घर में ईंटों से पक्का अपना बाथरूम होता था, जिसकी नालियाँ दीवारों के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थीं। जल निकासी प्रणालियाँ न केवल बड़े शहरों के लिए अद्वितीय थीं, बल्कि छोटी बस्तियों में भी पाई जाती थीं। इन सभी विशेषताओं से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो में एक सुनियोजित वास्तुशिल्प प्रणाली थी।